Total Pages—3 **PG/IVS/HIN-401/13**

M.A. 4th Semester Examination, 2013

HINDI

PAPER—401

Full Marks : 40

Time : 2 hours

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं *दो* की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8 × 2

(क) वह मेरे न जाने की कल्पना से इतनी प्रसन्न नहीं होती, जितनी अपने साथ न जा सकने की संभावना से अपमानित । भला ऐसा अन्धेर हो सकता है ! जहाँ मालिक वहाँ नौकर – मालिक को ले जाकर बन्द कर देने से इतना अन्याय नहीं,

पर नौकर को अकेले मुक्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय है ।

(*ख*) बहँगी में लटकती हुई सूअर के बच्चों की लाशों के साथ सफेद मुर्गी भी लटकी । अब उसका मरना सार्थक हो गया । सूअर के बच्चे और मुर्गी की मृत देह अब 'लाश' नहीं — उपभोक्ता-वस्तु बन गई ... जन्म अकारथ नहीं गया ।

(*ग*) उच्च दशा का प्रेम और करुणा दोनों सत्वगुण प्रधान हैं । त्रिगुणों में सत्वगुण सबके ऊपर है, यहाँ तक कि उसकी ऊपरी सीमा नित्य परमार्थिक सत्ता के पास तक - व्यक्त और अव्यक्त की सन्धि तक जा पहुँचती है ।

(*घ*) अकाल भारत की पुरानी परम्परा है । आप जानते हैं कि भगवान राम के राज्य में भी अकाल पड़ा था । हमारे राज में भी अकाल पड़ता है । हम गाँधीजी के आदेश के अनुसार राम-राज ला रहे हैं । अकाल राम-राज का आधार है । मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम राम-राज का स्वर्ग नहीं ला सकते थे, यदि अकाल न पड़ता ।

2. 'मेरी जीवन यात्रा' (पहला खण्ड) के मार्मिक स्थलों का उदघाटन कीजिए । 12

3. 'ठकुरीबाबा' का मूल प्रतिपाद्य लिखिए । 12

4. निबंध-शैली के आधार पर 'क्रोध' निबन्ध की समीक्षा कीजिए । 12

5. पठित विषयों के आधार पर हरिशंकर परसाई के व्यंग्य-वैभव पर विचार कीजिए । 12

6. "'सूखा: 1966' में मानव-यातना के चरम साक्षात्कार क्षणों का वर्णन है ।" — इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए । 12